मनुष्य की उदासी की शुरुआत

द्वारा लिखत Edward Hughes
द्वारा चित्र Byron Unger; Lazarus

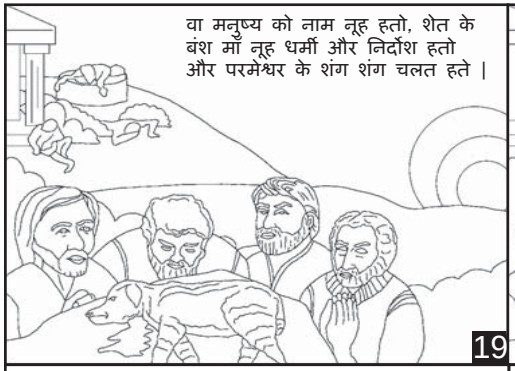

द्वारा अनुवाद करो गयो
द्वारा अनुकूल M. Maillot; Tammy S.

60 की कहानी में से 2

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

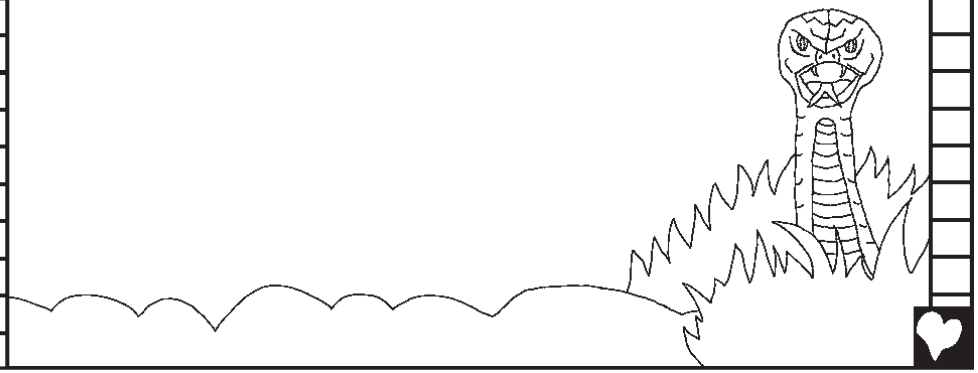

लाइसेंस: तुमई जा कहानी को पात्रिका या छापन को अधिकार है, जब तक तुम जाई बेचत नाइ हो |

मनुष्य की उदासी की शुरुआत

परमेश्वर के वच्चन से बाइबिल की एक कहानी

में पायी जाती है

उत्पत्ति ३-६

"तुमहोर शब्द के प्रवेश से रोशनी मिल्त है |"
भजन ११९:१३०

परमेश्वर जान्त हैं की हम सब ने बुरे काम करें हैं| जिन्हें वे पाप कहत हैं | पाप को दंड मृत्यु है |

परमेश्वर हमें बहुत प्रेम करत हैं उसने अपने बेटा यीशुको कृश पर मरन और हमारे पाप के दंड को भोगन केलिए भेजो | यीशु जिंदा हुआ और स्वर्ग पर चलेगये | अब परमेश्वर हमारे पाप को क्षमा कर सकत हैं |

अगर तुम अपने पाप से मुड़नो चाहत हो तो जा परमेश्वर से कहो: प्रिय परमेश्वर हमारो मननो है की यीशु हमरा ले मारेगये और आब फिरसे जिंदा होई गएँ | कृपया मेरी जिंदिगी मा आई के मेरे पापों को मॉफ करो | इस ले आब हम नव जीवन पाई सकत हैं और फिर तुम्हारे संगे हमेशा के ले रहीं | अपने वच्चन के रूप मा मेरी सहायता करो | अमीन | यहुना ३:६

बाइबिल पढो और हर दिन परमेश्वर से बातें करो!

कन्नौजी भाषा Kannauji

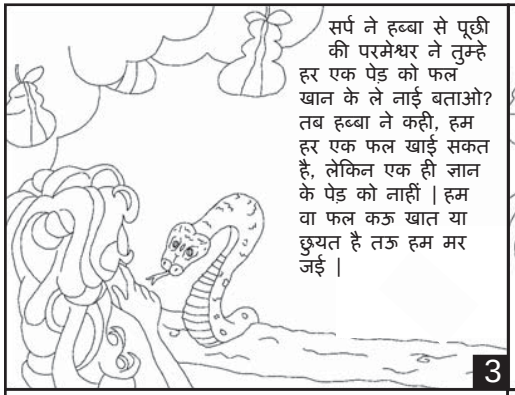
सर्प ने हब्बा से पूछी
की परमेश्वर ने तुम्हे
हर एक पेड़ को फल
खान के ले नाई बताओ?
तब हब्बा ने कही, हम
हर एक फल खाई सकत
है, लेकिन एक ही ज्ञान
के पेड़ को नाहीं | हम
वा फल कऊ खात या
छुयत है तऊ हम मर
जई |
3

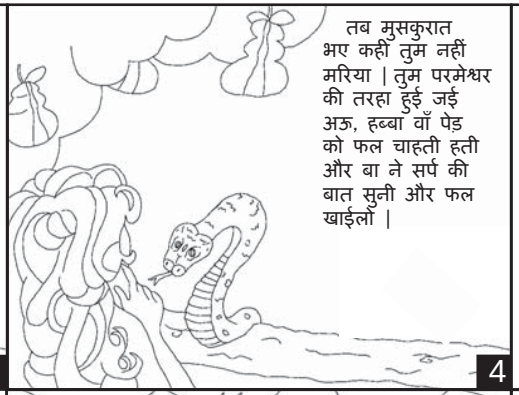
तब मुसकुरात
भए कही तुम नहीं
मरिया | तुम परमेश्वर
की तरहा हुई जई
अऊ, हब्बा वाँ पेड़
को फल चाहती हती
और बा ने सर्प की
बात सुनी और फल
खाईलो |
4

हब्बा ने परमेश्वर की आज्ञा न
मानन के वादा वाने आदम कऊ भी
फल खान के लिए आदम से कही
आदम ने कही हुई, हम परमेश्वर
की आज्ञा को उल्लंघन
नाई करी |
5

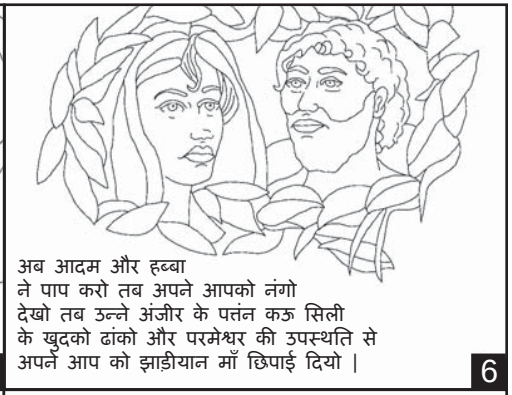
अब आदम और हब्बा
ने पाप करो तब अपने आपको नंगो
देखो तब उन्ने अंजीर के पत्तंन कऊ सिली
के खुदको ढांको और परमेश्वर की उपस्थति से
अपने आप को झाड़ीयान माँ छिपाई दियो |
6

आदम ने हब्बा को दोषी ठहराओ,
हब्बा ने सर्प को दोषी ठहरायो तब
परमेश्वर ने कहीं, सर्प श्रापित है |
स्त्री से कहीं जब बच्चा पईदा हुई
तब बहुत दर्द हुई | आदम काए
तुमने पाप करो है? और पृथ्वी को
श्राप दओ की पृथ्वी भर मा कांटे ही
कांटे हुई और भोजन प्राप्त करन के
ले बड़ो दुःख उठाउन और
पसीना बहाऊन हुई |
7

परमेश्वर ने आदम और हब्बा
ओ अदन की बगिया से बहार
निकल दो, क्योंकि उन्ने पाप
करो, आखीर वई जीवन देन
वाले परमेश्वर
से अलग
हुई गए |
8

परमेश्वर ने उनई अदन
की बगिया से दुरी रहान के ले एक
ज्वाला तलवार बनाई के न्युक्त
करी | परमेश्वर ने आदम और
हब्बा को एक जानवर
की खाल को
कोट बनाई के
पहिनाओ |
9

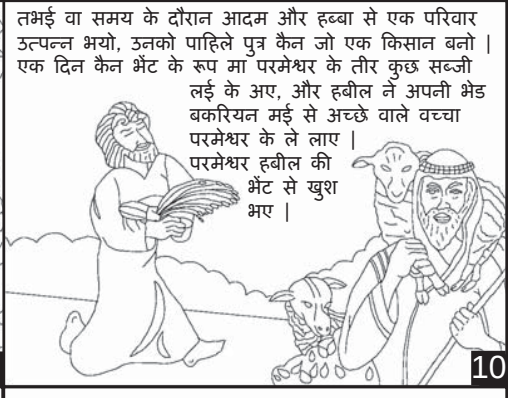
तभई वा समय के दौरान आदम और हब्बा से एक परिवार
उत्पन्न भयो, उनको पाहिले पुत्र कैन जो एक किसान बनो |
एक दिन कैन भेंट के रूप मा परमेश्वर के तीर कुछ सब्जी
लई के अए, और हबील ने अपनी भेड
बकरियन मई से अच्छे वाले वच्चा
परमेश्वर के ले लाए |
परमेश्वर हबील की
भेंट से खुश
भए |
10

परमेश्वर कैन की भेंट से ख़ुश नाई
हते, कैन बहुतय गुस्सा हतो, तबई
परमेश्वर ने कही अगर तुम सही
करते तो तुम्हारी भेंट ग्रहण नाई
करी जाती |
11

कैन की गुस्सा दूर नाइ भई कुछ
दिन बाद मैदान मा बा ने हबील पर
हमला करो और वाई मार डारो |
12

परमेश्वर ने कैन से कहीं की तुम्हारो
भईया हबील कहाँ है | वा ने कही
हम नाई जान्त है की वो कहाँ है, की
हम का अपने भईया के रखवारे है?
परमेश्वर ने कैन को खेती करन की
ताकत ख़तम करी दई और वाई
भटकन बालो करी दो |
13

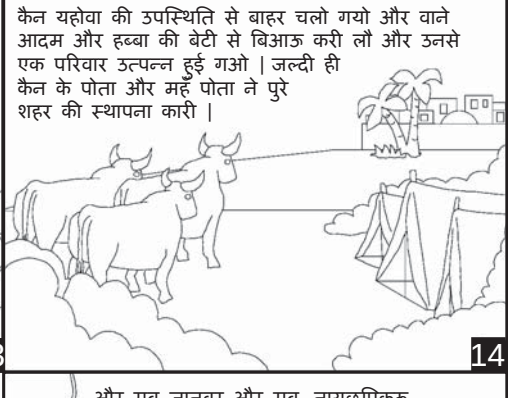
कैन यहोवा की उपस्थिति से बाहर चलो गयो और वाने
आदम और हब्बा की बेटी से बिआऊ करी लौ और उनसे
एक परिवार उत्पन्न हुई गओ | जल्दी ही
कैन के पोता और महँ पोता ने पुरे
शहर की स्थापना कारी |
14

फिर आदम और हब्बा को परिवार
जल्दी से बढ़ी गायो | उन् दिनन के
लोग आज के तुलना मा ज्यादा
समय तक जिंदा रहत हते |
15

जब उनके बेटा शेत को जन्म भयो तब हब्बा
ने कही परमेश्वर ने शेत कऊ हमई हबील की
जगह पर दयो है | शेत परमेश्वर की शमार्थ्य
मा हते जो ९१२ साल तक जिंदा रहे उनके
और्रो बच्चा हते |
16

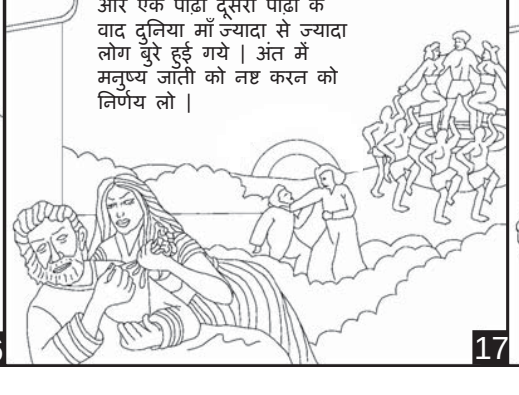
और एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी के
वाद दुनिया माँ ज्यादा से ज्यादा
लोग बुरे हुई गये | अंत में
मनुष्य जाती को नष्ट करन को
निर्णय लो |
17

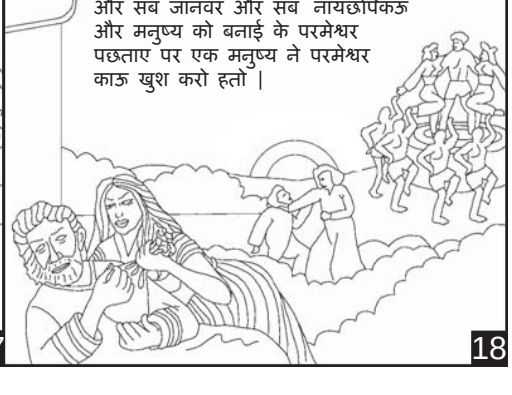
और सब जानवर और सब नायछपिकऊ
और मनुष्य को बनाई के परमेश्वर
पछताए पर एक मनुष्य ने परमेश्वर
काऊ खुश करो हतो |
18